**Regarding the situation in Bangladesh**

**श्री दिलीप शइकीया (दारंग-उदालगुड़ी) :** माननीय सभापति महोदया, यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है । पिछले कुछ दिनों से बांग्लादेश में जो घटनाक्रम चल रहा है और बांग्लादेश के साथ भारत के कूटनीतिक संबंध अच्छे भी रहे हैं । हम चाहते हैं और पूरा भारत चाहता है कि वहां पर फिर से एक बार शांति वापस आए ।

महोदया, बांग्लादेश और भारत की जो सीमा है, वह करीब 4,096 किलोमीटर है । असम, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और मेघालय जैसे प्रदेश बांग्लादेश के साथ जुड़े हुए हैं । मैं भारत सरकार से मांग करता हूँ कि भारत का वेस्टर्न बॉर्डर जितना सख्त बनाया गया है, वैसे ही ईस्ट और नॉर्थ-ईस्टर्न बॉर्डर, इंडो-बांग्लादेश बॉर्डर भी बहुत ही मजबूत बनाया जाए । वहां पर रिवराइन एरियाज़ भी हैं । वहां हमारी इंटरनेशनल बाउंड्री को मजबूत सुरक्षा मिले ।

महोदया, जब वर्ष 1971 में बांग्लादेश आज़ाद हुआ, तब वहां करीब 24 प्रतिशत हिन्दू थे, पर आज वहां पर मात्र 6 प्रतिशत हिन्दू ही रह गए हैं और उनके ऊपर भी बहुत अत्याचार हो रहे हैं । माननीय प्रधान मंत्री जी ने यह आग्रह किया है कि वहां हिन्दुओं को सुरक्षा मिले । मैं फिर से एक बार इस संसद के माध्यम से, सभी सांसदों के माध्यम से, बांग्लादेश सरकार, बांग्लादेश प्रशासन से यह अपील करना चाहता हूँ कि बांग्लादेश में रहने वाले हर हिन्दू, हर माइनॉरिटी को पूरी सुरक्षा मिले । उन्हें किसी दूसरे देश न जाना पड़े, ऐसी मैं भारत सरकार से विनती करता हूँ ।